कृपया प्रकाशनार्थ **12 जनवरी, 2010**

पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक और महाराष्ट्र कुष्ठपीडित संगठन के अध्यक्ष श्री. प्रकाश कुलकर्णी ने 12 जनवरी 2010 को मुंबई में आयोजित एक पत्रकार सम्मलेन में वितरित किया गया निवेदन.

अगर *कुष्ठपीडितों की मांग को नही माना गया*
तो *कुष्ठपीडित सामुहिक आत्मदाह करेंगे*

मुंबई, मंगलवार :"महाराष्ट्र कुष्ठपीडित संगठन की तरफ से 18 मांगों की सूची मुख्यमंत्री श्री अशोक चव्हाण को सौंपी गयी है. अगर इन मांगों को नहीं माना गया तो कुष्ठपीडित सामुहिक आत्मदाह करेंगे " ऐसी चेतावनी पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री राम नाईक और महाराष्ट्र कुष्ठपीडित संगठन के अध्यक्ष श्री प्रकाश कुलकर्णी ने आज मुंबई में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में दी. इन मांगों के समर्थन में आगामी 30 जनवरी- महात्मा गांधी पुण्यतिथी और विश्व कुष्ठरोग उन्मूलन दिन पर मुंबई के आझाद मैदान से मंत्रालय तक एक निषेध मोर्चा भी निकाला जाएगा ऐसी सूचना भी श्री. नाईक व श्री. कुलकर्णी ने दी.

कुष्ठपीडितों की इन मांगों के संबंध में अधिक जानकारी देते हुए श्री. नाईक व श्री. कुलकर्णी ने कहा कि कुष्ठपीडितों कि इन मांगों को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री श्री. आर.आर.पाटील के सामने 14 फरवारी 2006 अैर 6 अगस्त 2008 को रखा गया था और इन पर विस्तार से चर्चा करने के बाद कुछ मांगों को मानने का आश्वासन भी दिया गया, परंतु उस हिसाब से कोई कारवाई नहीं की गई. उसके बाद 22 दिसंबर 2008 को मुख्यमंत्री श्री.अशोक चव्हाण को लिखित निवेदन दिया गया. पर कई स्मरण देने के बाद भी उन्होने मुलाकात का समय तक नहीं दिया. इसके अलावा कुष्ठपीडितों की समस्या के संबंध में राज्यसभा को 5 दिसंबर 2007 को आवेदन दिया गया था. राज्यसभा के याचिका समिती ने 24 अक्टूबर, 2008 को उस पर अपनी रपट संसद में पेशकर अनेक शिफारिशें करने के बाद भी आज तक न तो केंद्र सरकार या नहीं राज्य सरकार द्वारा कारवाई की गई. इसका स्वाभाविक परिणाम कुष्ठपीडितों और उनके परिवारों पर पडा हैं और यही कारण है कि 30 जनवरी को मोर्चा निकालने का निर्णय महाराष्ट्र कुष्ठपीडित संघटना ने दुःखित होकर लिया है. इस संबंध में उस दिन मुख्यमत्री से भी चर्चा करने के लिए समय देने की प्रार्थना की गई है.

5 जनवरी को जिन अठारह मांगों की सूची मुख्यमंत्री को दी गई है वे हैं :1) राज्यसभा समिती की शिफारश के आधार पर प्रत्येक कुष्ठपीडित को रु.2,000 मासिक अनुदान दिया जाए. 2) कर्नाटक, गुजरात व दिल्ली राज्य सरकार जिस प्रकार कुष्ठपीडितों को नौकरियां देती हैं उसी प्रकार महाराष्ट्र में भी नौकरी दी जाए. 3) कुष्ठरोग मुक्त नागरिकों को नोकरी देने के लिए आरक्षित रखी जगह भरी जाए. 4) अपंग विकास महामंडल के आधार पर कुष्ठपीडितों को भी आसान दर पर व्यवसाय करने के लिए कर्ज दें. 5) कुष्ठपीडितों के बच्चों को उच्च शिक्षा सहित सर्व प्रकार की मुफ्त शिक्षा मुहैय्या करें. 6) कुष्ठपीडितों को सरकारी नौकरी के लिए 40 प्रतिशत विकलांग होने की शर्त रद्द करें. 7) महानगरपालिका तथा अन्य सरकारी जमिन का किराया, घर किराया आदि में 75 प्रतिशत रियायत मिलें. 8) विसर्जित किए कुष्ठरोगी महामंडल की पुनर्स्थापना कर उसपर कुष्ठपीडितों की बस्ती में रहनेवाले व्यक्ति को प्रतिनिधित्व दो 9)कुष्ठपीडितों के लिए राष्ट्रीय नीति बनें तथा केंद्र सरकार की तरफ से विशेष अनुदान मिले इसलिए कोशिश हो. 10) सरकार की कुष्ठरोग निर्मुलन समिती के रिपोर्ट को तुरंत लागू करें. 11) कुष्ठपीडित जिस जगह पर रहते हैं उसी जगह पर उनका पुनर्वास कर सबको फोटोपास दो. 12) कुष्ठपीडितों के सक्षम बच्चों को ऑटोरिक्षा की परमिट दी जाए. 13)कुष्ठपीडितों की बस्ती में ही उनके हांथ- पाँव के जख्म पर मरहम पट्टी के लिए दो व्यक्तिओं को मानधन दें. यह बस्ती के नाम पर ही दिया जाए. 14) कुष्ठपीडितों को गरीबी रेखा के नीचे समझते हुए उन्हें दो रुपये प्रति किलो के दर से 20 किलो गेंहू व तीन रुपये किलो की दर से 15 किलो चावल दी जाए. 15) केंद्र सरकार की गरीबों की गृहनिर्माण योजना कुष्ठपीडितों को भी घर मिलें. इस प्रकार की आवास योजनाएं तामिळनाडू, दिलली आदी राज्यों में बनायी गयी हैं. 16) कुष्ठपीडितों के घरों में पानी, बिजली की मुफ्त सुविधा दी जाए. 17)राज्यसभा की याचिका समिती के रिपोट में की गई सिफारिशें को लागू करे. 18)कुष्ठरोग निर्मुलन व पुनर्वसन क्षेत्र में करनेवाली स्वयंसेवी संस्थांओं के प्रश्नो पर विचार कर उनका समाधान करें.

‘‘ इन अठारह मांगों की सूची को सरकार के समक्ष देने के लिए पूरे महाराष्ट्र के कुष्ठरोगी भाई बहन बडी संख्या में मुंबई आएं ’’ ऐसी अपील भी श्री नाईक और श्री कुलकर्णी नें अंत में की है.

(सचिव)के लिए